ईडी के नोटिस के बाद नहीं हुई विजयन के बेटे से पूछताछ

कांग्रेस ने लगाया भाजपा से सांठगांठ का आरोप

एजेंसी । कोच्चि

केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के बेटे को साल 2023 में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नोटिस जारी किया था। जांच एजेंसी ने यह नोटिस लाइफ मिशन परियोजना से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में जारी किया था, लेकिन उनसे अब तक किसी तरह की पूछताछ नहीं की गई, जिस पर अब कांग्रेस ने माकपा और भाजपा को घेरते हुए दोनों दलों के बीच 'सांठगांठ' का आरोप लगाया है।

केसी वेणुगोपाल ने भाजपा-माकपा को घेरा

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव के सी वेणुगोपाल ने दावा किया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विजयन के बेटे को 'गुप्त रूप से' नोटिस जारी किया था, जबकि अन्य मामले खासकर विपक्षी नेताओं से जुड़े मामलों में एजेंसी अपनी कार्रवाई का व्यापक प्रचार करती है। वेणुगोपाल ने कहा, ऐसे मामलों में ठोस सबूत ना होने पर भी पूछताछ और गिरफ्तारी होती है। शिवसेना नेता संजय राउत और झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता हेमंत सोरेन की गिरफ्तारियों में ऐसा ही देखा गया। नेशनल हेराल्ड मामले (जिसमें कांग्रेस नेता शामिल थे) में भी ऐसा ही हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि विजयन के बेटे नोटिस मिलने के बावजूद पूछताछ के लिए पेश नहीं हुए। वेणुगोपाल ने पूछा कि, क्या बाद में उनसे पूछताछ की गई? क्या जांच बंद कर दी गई है या अभी जारी है? ईडी को इन सवालों के जवाब देने चाहिए।

कांग्रेस ने माकपा की चुप्पी का उठाया सवाल

उन्होंने कहा कि माकपा भी इस मामले को गुप्त रखना चाहती थी। कांग्रस नेता ने आगे कहा कि ईडी की तरह, माकपा ने भी चुप रहना पसंद किया। वरना, वे इसे राजनीतिक हमला बताते जैसा कि वे अक्सर करते हैं। ये घटनाएं कई संदेह पैदा करती हैं। वहीं वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेश चेन्निथला ने कहा कि ऐसा लग रहा है जैसे ईडी का समन 'गायब' हो गया। उन्होंने कहा, हमने पहले कहा था कि भाजपा और माकपा के बीच अपवित्र सांठगांठ के कारण तिरुवनंतपुरम सोना तस्करी और लाइफ मिशन मामले गायब हो जाएंगे। अब यह सच हो गया है।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने इस आरोप का जवाब नहीं

इधर, सत्तारूढ़ माकपा और मुख्यमंत्री कार्यालय ने अभी तक इस आरोप का जवाब नहीं दिया है। शनिवार को मीडिया के एक हिस्से में आई खबरों में दावा किया गया कि ईडी ने लाइफ मिशन मामले में पूछताछ के लिए मुख्यमंत्री के बेटे विवेक किरण विजयन को फरवरी 2023 में तलब किया। कोच्चि में तत्कालीन ईडी सहायक निदेशक पी के आनंद द्वारा जारी समन में उन्हें 14 फरवरी, 2023 को पेश होने का निर्देश दिया गया था।

4.5 करोड़ रुपए के कमीशन का कथित मामला

आपको बता दें कि लाइफ मिशन परियोजना में 2018 केरल बाढ़ से प्रभावित परिवारों के लिए यूएई रेड क्रिसेंट द्वारा वित्त पोषित त्रिशूर के वडक्कनचेरी में अपार्टमेंट का निर्माण शामिल है। आरोप है कि इस परियोजना का जिम्मा संभालने वाली यूनिटेक बिल्डर्स ने राज्य के प्रतिनिधियों सहित बिचौलियों को 4.5 करोड़ रुपए का कमीशन दिया। मुख्यमंत्री के पूर्व प्रधान सचिव एम. शिवशंकर को इस मामले में पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

मुझे पता है अपना टाइम कब आएगा : शिवकुमार

▸▸ डीके शिवकुमार ने मुख्यमंत्री बनने की अफवाहों को किया खारिज

एजेंसी । बेंगलुरु

कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने शनिवार को मुख्यमंत्री बनने की खबरों को सख्ती से खारिज किया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग और मीडिया भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि उनकी प्राथमिकता सिर्फ पार्टी के लिए काम करना है। लालबाग में उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने किसी नेतृत्व परिवर्तन पर कोई बात नहीं की है और किसी पद के लिए प्रयास करने का कोई विचार नहीं है। शिवकुमार ने मीडिया पर नाराजगी जताते हुए कहा कि कुछ लोग भ्रम फैला रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनका समय तब आएगा जब 2028 में कर्नाटक में कांग्रेस फिर से सरकार बनाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी झूठी खबर या गुमराह करने वाले चैनल के खिलाफ वह मानहानि का केस करेंगे और पूरी तरह सचेत हैं।

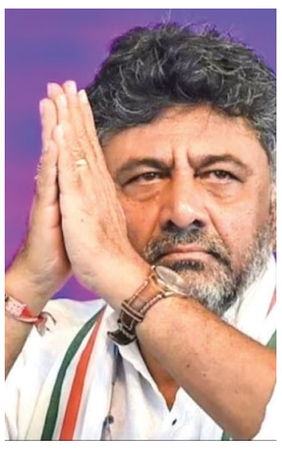

मुख्यमंत्री और सहयोगी मिलकर कर रहे काम

डीके शिवकुमार ने कहा कि उन्हें पता है कि ईश्वर ने उन्हें क्या अवसर दिया है और वह राज्य के लोगों की सेवा करना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि वह सुबह से शाम तक मेहनत कर रहे हैं ताकि बेंगलुरु और राज्य के लोगों को बेहतर प्रशासन मिल सके। उन्होंने बीजेपी की आलोचनाओं पर ध्यान न देने की भी सलाह दी और कहा कि वह मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

मंत्रियों को डिनर पर बुलाने की अफवाहें बेबुनियाद

राज्य में कैबिनेट फेरबदल की अटकलों के बीच, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने 13 अक्टूबर को सभी मंत्रियों को डिनर पर बुलाया। उन्होंने साफ किया कि यह केवल मिलने-जुलने के लिए था और इसका किसी राजनीतिक बदलाव या कैबिनेट फेरबदल से कोई संबंध नहीं है।

विधानसभा में आरएसएस प्रार्थना गाने का वायरल वीडियो

21 अगस्त को कर्नाटक विधानसभा में डिप्टी CM शिवकुमार ने भाजपा विधायक के साथ बहस के दौरान RSS की प्रार्थना 'नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे' की दो पंक्तियाँ गाई। यह घटना विधानसभा में सभी को हैरान कर गई और सोशल मीडिया पर उनका यह वीडियो वायरल भी हुआ। इस दौरान शिवकुमार ने भाजपा की चालों से सबको अवगत कराते हुए अपनी बात रखी।

न्यूज़ ब्रीफ

डिजिटल युग में लड़कियां सबसे ज्यादा असुरक्षित : सीजेआई

नई दिल्ली। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई ने शनिवार को कहा कि डिजिटल दौर में लड़कियां नई तरह की परेशानियों और खतरों का सामना कर रही हैं। टेक्नॉलॉजी सशक्तिकरण नहीं, शोषण का जरिया बन गई है। सीजेआई गवई ने कहा कि लड़कियों के लिए आज ऑनलाइन हैरेसमेंट, साइबर बुलिंग, डिजिटल स्टॉकिंग, निजी डेटा के दुरुपयोग और डीपफेक तस्वीरें बड़ी चिंता बन गई हैं। इन खतरों से बचाने के लिए पुलिस और अधिकारियों को खास ट्रेनिंग देने की जरूरत है, ताकि वे ऐसे मामलों को समझदारी और संवेदनशीलता से संभाल सकें। सीजेआई गवई सुप्रीम कोर्ट की जुवेनाइल जस्टिस कमेटी और यूनिसेफ इंडिया द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन 'सेफगार्डिंग द गर्ल चाइल्ड' में बोल रहे थे।

पश्चिम बंगाल में ई-रिक्शा का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में टोटो के नाम से पहचाने जाने वाले ई-रिक्शा की आवाजाही को कंट्रोल करने के लिए, राज्य परिवहन विभाग ने इनका रजिस्ट्रेशन अनिवार्य कर दिया है। परिवहन विभाग ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि सभी ई-रिक्शा में एक डिजिटल अस्थायी टोटो रजिस्ट्रेशन नंबर (टीटीईएन) होनी चाहिए और यह प्रक्रिया 30 नवंबर तक पूरी हो जानी चाहिए। यह प्रोसेस 13 अक्टूबर से शुरू होगी। एक नया पोर्टल क्यूआर कोड का उपयोग कर रजिस्टर्ड ई-रिक्शा पर नजर रखेगा। इससे अवैध टोटो को चलने से रोक सकेंगे।

इंडिगो की मदुरै-चेन्नई फ्लाइट की विंडशील्ड में दरार आई, जांच शुरू

चेन्नई। इंडिगो की मदुरै से चेन्नई फ्लाइट 7253 की विंडशील्ड में दरार के बाद फ्लाइट को चेन्नई एयरपोर्ट पर ग्राउंड किया गया। एयरलाइन के मुताबिक, पायलट ने दरार देखी थी। जांच में सामने आया है कि दरार बाहरी की ओर है। इसकी जांच की जा रही है। प्लेन सवार सभी क्रू और यात्री सुरक्षित हैं।

बीजापुर जिले में आईईडी में धमाका, सीआरपीएफ का कमांडो घायल

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में शनिवार को नक्सलियों के लगाए गए एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) के फटने से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की कमांडो बटालियन फॉर रेज़ोल्यूट एक्शन (कोबरा) इकाई का एक कमांडो घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि यह विस्फोट उस समय हुआ जब कोबरा की 206वीं बटालियन का एक दल उसूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुजारी कांकेर शिविर से एरिया डोमिनेशन ऑपरेशन पर निकला था। उन्होंने बताया कि जब गश्ती दल जंगल की घेराबंदी कर रहा था, तभी एक जवान अनजाने में एक आईईडी के संपर्क में आ गया।

टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 — पांचवें स्थान पर भारत में सर्वश्रेष्ठ रहा कीट डीम्ड विश्वविद्यालय

कीट डीम्ड विश्वविद्यालय वैश्विक स्तर पर 501 संस्थानों में आंका गया

एजेंसी । भुवनेश्वर

टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 के घोषित परिणामों में भुवनेश्वर कीट डीम्ड विश्वविद्यालय वैश्विक स्तर पर 501 संस्थानों में आंका गया है।प्रकाशित सूची में कीट पांचवें स्थान पर भारत में सर्वश्रेष्ठ रहा है। गौरतलब है कि कीट ओडिशा का एकमात्र ऐसा तकनीकी संस्थान है जिसे राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष 10 की सूची में जगह मिली है और यह ओड़िशा राज्य के लिए बेहद गर्व की बात है और इसकी बढ़ती शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रत्यक्ष प्रतीक है।

यह उपलब्धि विशेष रूप से ओडिशा और पूरे भारत के लिए गौरव की बात है : डॉ. अच्युत सामंत

इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कीट-कीस संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत ने कहा, 'हर राज्य की आकांक्षा होती है कि उसका विश्वविद्यालय विश्व स्तर पर शीर्ष 500 में स्थान अर्जित करे। मुझे खुशी है कि कीट अपनी स्थापना के मात्र 28 वर्षों और एक डीम्ड विश्वविद्यालय के रूप में 22 वर्षों के अनुभव के साथ, 501 विश्वविद्यालयों की सूची में दुनिया के शीर्ष विश्वविद्यालयों में शुमार हो गया है। यह उपलब्धि विशेष रूप से ओडिशा और पूरे भारत के लिए गौरव की बात है।'

भारत के सबसे गतिशील और विश्व स्तर पर दिखाई देने वाले संस्थानों में से एक :

वैश्विक स्तर पर कीट को 2,191 विश्वविद्यालयों में 501-600 बैंड में और 128 भारतीय संस्थानों में राष्ट्रीय स्तर पर पाँचवाँ स्थान प्राप्त हुआ है, जो पिछले वर्ष के 601-800 बैंड की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। यह वृद्धि वैश्विक प्रतिस्पर्धा में विश्वविद्यालय की निरंतर प्रगति और भारत के सबसे गतिशील और विश्व स्तर पर दिखाई देने वाले संस्थानों में से एक के रूप में इसके उभरने को दर्शाती है। भारतीय विज्ञान संस्थान(IISc) भारतीय विश्वविद्यालयों में शीर्ष पर रहा, जबकि KIIT भारत का पाँचवाँ सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय है।

टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग के 'शैक्षणिक उत्कृष्टता' मानदंड में विश्व में 259वाँ स्थान

इस वर्ष, कीट को टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग के 'शैक्षणिक उत्कृष्टता' मानदंड में विश्व में 259वाँ स्थान प्राप्त हुआ है। टाइम्स हायर एजुकेशन पाँच मानदंडों के आधार पर रैंकिंग प्रदान करता है। उल्लेखनीय रूप से, कीट डीम्ड विश्वविद्यालय ने 'उद्योग एकीकरण', 'अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण' और 'सामाजिक प्रतिबद्धता (SDGs)' मानदंडों में भारत में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। टाइम्स हायर एजुकेशन के मूल्यांकन के अनुसार, विश्व विश्वविद्यालय रैंकिंग 2026 में कीट का प्रदर्शन एक दशक के परिवर्तन को दर्शाता है—स्थानीय उत्कृष्टता से वैश्विक मान्यता तक। इस संस्थान ने यह प्रदर्शित किया है कि ओडिशा का एक सामाजिक रूप से समावेशी विश्वविद्यालय नवाचार, करुणा और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों से प्रतिस्पर्धा कर सकता है।

पाक के लिए जासूसी करने करने वाला गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान के अलवर जिले से पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी का नाम मंगत सिंह है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी को शनिवार को जयपुर की विशेष अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे तीन दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा है। आरोपी गोविंदगढ़ का निवासी है, पिछले दो साल से पाकिस्तान की एक महिला "हैंडलर" के संपर्क में था। वह सोशल मीडिया के माध्यम से भारतीय सेना की गतिविधियों से जुड़ी गोपनीय जानकारी साझा करता था। जांच में पता चला है कि उसने उस महिला के नंबर 'ईशा शर्मा और 'ईशा बॉस नाम से सेव कर रखे थे।

दिल्ली में भी कोल्ड्रिफ सीरप पर प्रतिबंध

एजेंसी । नई दिल्ली

कोल्ड्रिफ सीरप को दिल्ली में पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है। अब इसकी न तो खरीद या बिक्री की जाएगी और न ही लोग इसका इस्तेमाल कर सकेंगे। मध्य प्रदेश में बच्चों की मौत के बाद दिल्ली के औषधि नियंत्रण विभाग ने यह निर्णय लिया है। दिल्ली के डिप्टी ड्रग कंट्रोलर की ओर से जारी किए गए आदेश में कहा गया है कि मध्य प्रदेश के खाद्य एवं औषधि प्रशासन की

ओर से कोल्ड्रिफ सीरप को परीक्षण औषधि परीक्षण प्रयोगशाला में कराया गया है। आई रिपोर्ट में कोल्ड्रिफ सीरप (पैरासिटामोल, फिनाइलेफ्राइन हाइड्रोक्लोराइड, क्लोरफेनिरामाइन मैलिएट सिरप) को मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया।

सबरीमाला गोल्ड चोरी केस

9 अधिकारियों पर एक्शन लेगा टीडीबी

एजेंसी । कोच्चि

सबरीमाला मंदिर में सोना चोरी मामले में त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (TDB) की विजिलेंस विंग ने 9 अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। TDB अध्यक्ष पीएस प्रसांत ने बताया कि डिप्टी देवास्वोम कमिश्नर बी मुरारी बाबू के खिलाफ कार्रवाई पहले ही शुरू हो चुकी है। अन्य अधिकारियों पर 14 अक्टूबर को होने वाली बोर्ड बैठक में फैसला किया जाएगा। प्रसांत ने कहा कि जिन पर कार्रवाई की जाएगी, उनमें TDB सेक्रेटरी जयश्री, एग्जीक्यूटिव ऑफिसर सुदीश, प्रशासनिक अधिकारी श्रीकुमार और पूर्व तिरुवभरनम कमिश्नर केएस बैजू शामिल हैं। उन्होंने बताया कि बैजू के बाद आए अधिकारी को सोने के वजन में कमी का पता था।

विपक्ष नेताओं पर प्रसांत का कटाक्ष

TDB अध्यक्ष ने विपक्षी नेताओं पर भी निशाना साधा। प्रसांत ने कहा कि केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन को जिम्मेदारी से बयान देने चाहिए। वर्तमान बोर्ड का इस मुद्दे से कोई लेना-देना नहीं है, फिर भी हमारे खिलाफ आरोप क्यों लगाए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अभी सबरीमाला तीर्थ यात्रा सीजन की तैयारियां चल रही हैं।

अफगानी मंत्री ने महिला पत्रकारों की एंट्री थी रोकी

महिला पत्रकारों के अपमान पर सियासत गरमाई

▸▸ पीएम ने महिलाओं का अपमान कैसे होने दिया: प्रियंका

▸▸ हमारा कोई रोल नहीं: केंद्र सरकार

एजेंसी । नई दिल्ली

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी की दिल्ली में शुक्रवार को हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस विवादों में घिर गई। इस दौरान महिला पत्रकारों को एंट्री नहीं दी गई, जिससे सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने पीएम मोदी से सवाल किया कि भारत में कुछ सबसे सक्षम महिलाओं का अपमान कैसे होने दिया गया, जबकि महिलाएं देश की रीढ़ और गौरव हैं। विवाद बढ़ने पर भारत के विदेश मंत्रालय (MEA) ने स्पष्ट किया कि अफगान विदेश मंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनका कोई रोल नहीं था और न ही उनकी तरफ से पत्रकारों को बुलाया गया था। यह कार्यक्रम अफगानी एंबेसी में आयोजित किया गया था और इसमें शामिल होने के लिए आमंत्रण अफगान काउंसिल जनरल, मुंबई द्वारा 10 अक्टूबर को भेजे गए थे।

भारत दौरे पर केवल पुरुष पत्रकारों से की बातचीत

अफगानी विदेश मंत्री मुत्तकी 9 अक्टूबर से भारत दौरे पर हैं। उन्होंने शुक्रवार को भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ द्विपक्षीय वार्ता की, लेकिन किसी जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन नहीं हुआ। इसके बजाय, मुत्तकी ने अकेले ही अफगान दूतावास में मीडिया से बातचीत की, जिसमें केवल चुनिंदा पुरुष पत्रकार और अफगान दूतावास के अधिकारी शामिल हुए। कई महिला पत्रकारों ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि उन्हें प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल नहीं होने दिया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मुत्तकी के साथ आए तालिबान अधिकारियों ने यह तय किया कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में कौन शामिल होगा।

नेचर जर्नल — 2000 के बाद से नोबेल पुरस्कार विजेता सबसे अधिक अमेरिका में बसे

विज्ञान के नोबेल पुरस्कार विजेताओं में 30 फीसदी अप्रवासी

202 लोगों को अबतक नोबेल पुरस्कार 2000 के बाद से मिला है

63 पुरस्कार विजेताओं ने पुरस्कार जीतने से पहले जन्मस्थान छोड़ दिया था

एजेंसी । नई दिल्ली

विज्ञान के नोबेल पुरस्कार विजेताओं में अप्रवासियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वर्ष 2000 के बाद से जिन लोगों को नोबेल पुरस्कार मिला, उनमें से 30 फीसदी से अधिक अप्रवासी थे। यह खुलासा नेचर जर्नल के विश्लेषण से हुआ है। अध्ययन के अनुसार, 2000 के बाद से भौतिकी, रसायन विज्ञान और चिकित्सा में नोबेल पुरस्कार विजेता सबसे अधिक संयुक्त राज्य अमेरिका में जाकर बसे लोगों को मिला है।

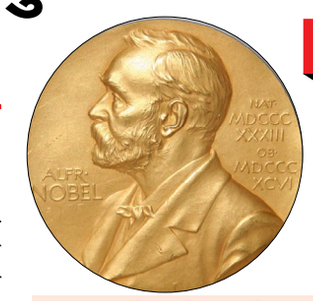

इस बार भी यही ट्रेंड बरकरार

दूसरे देशों में प्रवास करने वाले नोबेल पुरस्कार विजेताओं में बीते बुधवार को घोषित तीन रसायन विज्ञान विजेताओं में से दो शामिल हैं। यानी इस बार भी यही ट्रेंड बरकरार रहा। रिचर्ड रॉबसन का जन्म यूनाइटेड किंगडम में हुआ था, लेकिन अब वे ऑस्ट्रेलिया में रहते हैं। और उमर याघी, जो अब अमेरिका के निवासी हैं, जॉर्डन में जन्मे पहले नोबेल पुरस्कार विजेता बने।

70 फीसदी से भी कम पुरस्कार वाले देश के मूल निवासी

भौतिकी, रसायन विज्ञान और चिकित्सा के 202 नोबेल पुरस्कार विजेताओं में से 63 विजेता ऐसे थे जिन्होंने नोबेल पुरस्कार जीतने से पहले अपने जन्म के देश को छोड़कर किसी और देश में प्रवास किया था। यानी 70% से कम नोबेल पुरस्कार विजेता उस देश के मूल निवासी नहीं हैं, जहां पुरस्कार प्रदान किया गया।

2025 के लिए भौतिकी के तीन विजेताओं में से दो अप्रवासी हैं

मिशेल डेवोरेट का जन्म फ्रांस में और जॉन क्लार्क का जन्म यूनाइटेड किंगडम में हुआ था, लेकिन दोनों ही अमेरिका के निवासी हैं। नोबेल पुरस्कार समारोह में अप्रवासियों की लंबे समय से महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जिनमें अल्बर्ट आइंस्टीन जैसे प्रख्यात वैज्ञानिक शामिल हैं। वे जर्मनी में अपने जन्मस्थान से स्विट्जरलैंड (और बाद में संयुक्त राज्य अमेरिका) चले गए।